Dr. REETU RAJ

Assistant Professor

Department of HISTORY

RAJA SINGH COLLEGE SIWAN

(Jai Prakash University Chapra)

Lecture Notes on - " प्रथम विश्वयुद्ध के तात्कालिक कारण।"

(for TDC Part 2 HISTORY HONOURS)

प्रथम विश्वयुद्ध के तात्कालिक कारण ।

28 जून 1914 को आस्ट्रिया के राजकुमार फर्डिनेण्ड की बोस्निया की राजधानी सेराजेवो में हत्या ने चिंगारी का काम करते हुई युद्ध का विस्फोट कर दिया। 1908-09 में आस्ट्रिया एवं सर्बिया के मध्य विवाद आरंभ हुआ जब आस्ट्रिया ने बोस्निया-हर्जेगोविना को अपने साम्राज्य में मिला लिया। इन क्षेत्रों की अधिकांश जनसंख्या स्लाव नस्ल की थी एवं सर्बिया स्लाव आंदोलन का अग्रणी देश होने के कारण इन पर अपना प्रभुत्व

कायमं करनाचाहता था। आस्ट्रिया के राजकुमार की बोस्निया यात्रा के समय इन राष्ट्रवादी स्लाव उग्रवादियों ने स्लाव मुक्ति की राह में बाधक आस्ट्रिया को आंतकित करने के उद्देश्य से उसकी हत्या का षडयंत्र रचा और 18 जून 1914 को राजकुमार की हत्या कर दी गई। आस्ट्रिया ने इसे राष्ट्रीय गौरव पर आघात माना और बदला लेने के लिए बेचैन हो उठा। यह घटना विश्व युद्ध का तात्कालिक कारण सिद्ध हुई। आस्ट्रिया ने सर्बिया को कुचल देने का निश्चय किया और युवराज की हत्या के लिए जवाब तलब किया। संतोषजनक उत्तर न मिलने की स्थिति में ऑस्ट्रिया ने सर्बिया के विरूद्ध युद्ध करने की घोषणा कर दी। सर्बिया के मदद हेतु रूस ने सैन्यशक्ति के साथ भागेदारी की फिर जर्मनी द्वारा बिना शर्त आस्ट्रिया को समर्थन दिया गया। जब जर्मनी ने बेल्जियम पर आक्रमण कर दिया तो इंग्लैंड को भी अपनी सुरक्षा पर खतरा दिखाई पड़ा

फलतः उसने भी जर्मनी के विरूद्ध युद्ध की घोषणा कर दी इस तरह युद्ध का विस्तार यूरोप से बाहर एशिया में भी हो गया| जब जर्मनी ने अमेरिकी जहाजों को डूबा दिया तब 1917 में अमेरिका भी युद्ध में इंग्लैंड, फ्रांस, रूस, सर्बिया के पक्ष में हो गया। दूसरी तरफ आस्ट्रिया, जर्मनी, बुलगारिया, तुर्की आदि राष्ट्र थे। फलत: यूरोपीय युद्ध ने विनाशकारी विश्व युद्ध का रूप ले लिया और जिसका अंत 1918 में हुआ। युद्ध के पश्चात 1917 में पेरिस में शांति सम्मेलन हुआ जिसमें जर्मनी के साथ वसर्साय की संधि की गई।

References: Internet & Competitive books.